संस्थान द्वारा टीएसपी के अंतर्गत दिनांक 24-25 मार्च 2025 को नवापुर, नंदुरबार के आदिवासी किसानों को आनुवंशिक रूप से उन्नत मछली प्रजातियों एवं और मछली पकड़ने के जाल वितरण के बारे में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 24-25 मार्च 2025 को नवापुर, नंदुरबार के आदिवासी किसानों को आनुवंशिक रूप से उन्नत मछली प्रजातियों और मछली पकड़ने के जाल का वितरण किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम में नवापुर, नंदुरबार के करनाजी बुरद्रुक और आसपास के गांवों के कुल 98 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन भा कृ अनु प र-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई द्वारा डॉ. रविशंकर सी.एन., निदेशक/कुलपति , आईसीएआर-सीआईएफई, डॉ. एस मुनील कुमार, नोडल अधिकारी, टीएसपी और डॉ. मुकुंद गोस्वामी, विभागाध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक, एफजीबी विभाग के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री डी. गावित, सरपंच और अन्य ग्राम कार्यकारी पंचायत सदस्यों ने की। डॉ. किरण रसाल ने सभा को संबोधित किया और आनुवंशिक रूप से उन्नत मछली प्रजातियों की खेती में अच्छे तरीकों और उनके महत्व तथा देश में जलीय कृषि उत्पादन का विस्तार करने के लिए सरकार द्वारा पेश की गई विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला। डॉ. मनोज ब्राह्मणे, प्रधान वैज्ञानिक ने आजीविका और आय सृजन में मत्स्य पालन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को वैज्ञानिक खेती अपनाने और तालाब तैयार करने और प्रजातियों के चयन, गुणवत्ता वाले बीजों और आनुवंशिक रूप से उन्नत प्रजातियों के महत्व में कौशल विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया।कुल 98 आदिवासी किसानों को उनके तालाबों से मछली पकड़ने के लिए इनपुट के रूप में मछली पकड़ने का जाल वितरित किया गया। इसके अलावा, डॉ. किरण रसाल ने महाराष्ट्र राज्य में आदिवासी किसानों के लिए आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई की गतिविधियों का भी उल्लेख किया और आदिवासी किसानों के लिए उद्देश्यों और योजनाबद्ध गतिविधियों की एक झलक भी दी। आदिवासी किसानों ने चर्चा सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया और पिछले 3-4 वर्षों के दौरान आईसीएआर-सीआईएफई के मार्गदर्शन एवं अपार समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

Awareness of Genetically Improved Fish Species and Fishing Net Distribution to Tribal farmers of Navapur, Nandurbar on 24-25 March 2025 under TSP

The genetically improved fish species and fishing net distribution to Tribal farmers of Navapur, Nandurbar were carried on 24-25 March 2025. A total of 98 farmers from Karnaji Burdruk and nearby villages, Navapur, Nandurbar have participated. The program is organized by ICAR-Central Institute of Fisheries Education, Mumbai under the guidance of Dr. Ravisankar C.N, Director/VC, ICAR-CIFE, Dr. S Munil Kumar, Nodal Officer, TSP, and Dr. Mukunda Goswami, Head and Principal Scientist, FGB. The program was presided by Mr. D. Gawit, Sarpanch and other village executive Panchayat members. Dr. Kiran Rasal addressed the gathering and highlighted the good practices in farming of genetically improved fish species and their importance, and various schemes the Government has offered to expand aquaculture production in our country. Dr. Manoj Brahmane, Principal Scientist highlighted the importance of fisheries in livelihood and income

generation. He also encouraged the farmers for adopting scientific farming and to develop skills in pond preparations and species selection, quality seeds, and the importance of genetically improved species. Fishing net as input distributed to 98 tribal farmers for harvesting fish from their ponds. Further, Dr.Kiran Rasal, also mentioned activities of ICAR-CIFE, Mumbai for the tribal farmers in Maharashtra state and also gave a glimpse of objectives and planned activities for tribal farmers. The tribal farmers actively participated in the discussion session and thanked to ICAR-CIFE guidance and immense support during the last 3-4 years.